an>

Title: Need to punish the unsocial elements who trigger the incidents of murders, loots and fire in Haryana in the name of reservation.

श्री राजकुमार सैनी (कुरुक्षेत्र) : महोदय, आपने मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद।

महोदय, मेरा सिर्फ 4 मिनट 30 सेकेंड का विषय है, इसके लिए मैं आपसे एडवांस में विनती कर लेता हूँ।

महोदय, आज मैं इस महान सदन का ध्यान हरियाणा में हुए जन संहार की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले दो सप्ताह से अधिक संसद की कार्यवाही चल रही है, परन्तु जे0एन0यू0 पर, असहिष्णुता पर तो लोग घमासान कर लोक सभा की कार्यवाही रोकने की चेष्टा कर रहे हैं, परन्तु दिल्ली के बिल्कुल पड़ोसी प्रदेश, हरे-भरे हरियाणा का उपद्रवियों ने आरक्षण की आड़ में हत्या, लूटपाट व आगजनी जैसी घिनौनी करतूत कर पूरे प्रदेश का अमन, विकास व लोगों की सम्पति तक का सफाया कर दिया है। उसका संज्ञान इस सदन में अभी तक नहीं लिया गया है। आप सभी ने मीड़िया के माध्यम से देखा होगा कि रोहतक, झज्जर व अन्य जगहों पर योजनाबद्ध तरीके से विशेष वर्गों की दुकानों, सम्पतियों को निशाना बनाया गया। इस बारे में इस महान लोकतंत्र की बेदी से एक आवाज भी नहीं उठाई गई। सत्तारूढ़ दल पर सवाल खड़ा करना विपक्ष का काम होता है, परन्तु विपक्ष जहाँ खुद दोषी बना बैठा हो, वहाँ पर चर्चा कैसे हो। यह चुप्पी अपने आपमें एक बहुत ही दुखदायी व आश्चर्य चकित करने वाली है। इसी कारण आज मैं बड़े दुखी मन से आप लोगों को उन आहत लोगों की भावनाओं से अवगत कराना चाहता हूँ।

यहाँ देखने वाली बात यह है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पिछली कांग्रेस सरकार द्वारा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा के विपरीत जाकर दिए गए आरक्षण को अवैध घोषित किया था। माननीय अदालत का फैसला किसी राजनीतिक दबाव या सामाजिक दबाव के बगैर था और उसको उसी संदर्भ में देखने की आवश्यकता थी।

परन्तु अपने को पहले से प्राप्त सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक समप्रभुत्व का दुरूपयोग करते हुए व अपने निजी स्वार्थों से प्रेरित होकर जाति विशेष संगठनों द्वारा एक योजनाबद्ध तरीके से आरक्षण की आड़ में लूटपाट व कुर्सी हथियाने का जो खेल खेला गया, उसके पीछे â€¦* की ऑडियो विलपिंग के माध्यम से मामला उजागर हुआ है। हरियाणा के दूसरे राजनीतिक दल इनेलो के समाज विशेष के कार्यकर्ताओं द्वारा भी जमकर लूटपाट करना अपने आप में एक बड़े राजनीतिक षडयत्र का परिचायक है।

HON. CHAIRPERSON: The names will not go on record.

श्री राजकुमार सैनी: सभापति महोदय, मुझे लगता है कि राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ ही आरक्षण के आंदोलन के नाम पर हुई हिंसा में निर्दोष लोगों की हत्या, आगज़नी, लूटपाट के अलावा महिलाओं के उत्पीड़न का कारण है, जिसमें समुदाय विशेष के नेता सभी राजनीतिक दलों से शामिल होकर जिनका मूल उद्देश्य कहीं न कहीं प्रदेश के अमन चैन को नुकसान पहुँचाकर प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार को अस्थिर करना था। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय, मैं पिछले काफी समय से यह कहता आ रहा हूँ कि सामाजिक और शैक्षणिक तौर से पिछड़े वर्गों के लिए दिए गए 27 प्रतिशत आरक्षण से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न की जाए और अगर छेड़छाड़ करनी ही है तो ज्यादा बेहतर तब होगा कि 100 प्रतिशत आरक्षण सभी जातियों में जातिगत संख्या के आधार पर बांट देना चाहिए। मेरा उपरोक्त बयान माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश व राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग की अनुशंसा के अनुरूप था जिस पर मैं आज भी कायम हूँ। ...(व्यवधान)

मेरे इस बयान को जो तोड़ मरोड़ रहे हैं, उन्हीं लोगों ने माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियाँ उड़ाते हुए अपने बाहुबल का प्रयोग करते हुए हर स्थिति में आरक्षण लेने के बयान दिए और दिल्ली हरियाणा में आग लगा देने और मुझे जान से मार देने की धमकियाँ प्रतिदिन दी जाती रहीं। यदि इसका विरोध किसी भी राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों द्वारा किया गया होता तो आज यह दिन न देखना पड़ता। ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON : Please conclude.

श्री राजकुमार सैनी : महोदय, जो लोग समुदाय विशेष के आरक्षण में हुई हिंसा के शिकार हुए और जिनका कारोबार राख के ढेर में तब्दील हो गया है, उनको मरहम लगाने के लिए मेरा सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से आग्रह है कि वे प्रदेश सरकार को साथ जोड़कर प्रभावित लोगों के जीवन के पुनर्निर्माण के लिए ज्यादा से ज्यादा सहयोग करें। साथ ही हाल ही में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी के अनुसार उपद्रवियों की संपतियों को कुर्क करके इस नुकसान की भरपाई कराई जाए व दोषियों के खिलाफ बिना राजनैतिक द्वेष के एक निश्चित समय सीमा में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। ...(व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Shri Sharad Tripathi are permitted to associate with the issue raised by Shri Rajkumar Saini.